SEM-3, SC-302, By- Dr. Shyam Bihari Choudhary (ASSt. Prof.)

TOPIC- VARIOUS SOURCES OF WATER POLLUTION

Date 05.11.2020

Page (2)

जल प्रदूषण के विविध स्रोत

(ii) मलजल (Sewage) - जल प्रदूषण का स्रोत मल जल भी है। जनसंख्या वृद्धि के साथ-साथ मल जल की मात्रा बढ़ रही है। पीने के अतिरिक्त बड़ी मात्रा मे जल का उपयोग विभिन्न घरेलू कार्यों के लिए किया जाता है। गाँवों की अपेक्षा नगरों मे जल का उपभोग बहुत अधिक होता है। भारतीय नगरों मे प्रतिदिन प्रति व्यक्ति जल उपभोग की मात्रा 50 लीटर से लेकर 300 लीटर तक पाई जाती है।

नगरों की विशाल जनसंख्या द्वारा त्याज्य जल तथा मलमूत्र का विसर्जन निकटवर्ती नदी, तालाब व झीलों मे किया जाता है। घरों से निकलने वाले जलीय अपशिष्ट व खाद्य सामग्री बनाने वाले संयन्त्रों से निकले पदार्थ, घरेलू मल जल की श्रेणी मे आते हैं। मल-मूत्र, रसोई घर के अपशिष्ट, साबुन, डिटर्जेण्ट, कागज व कपड़ों के टुकड़े, अस्पतालों के अपशिष्ट आदि इसमें सम्मिलित हैं। महानगरों द्वारा प्रतिदिन बड़ी मात्रा मे छोड़े जाने वाले मल-मूत्र व कूड़ा- कड़कट के कारण अनेक झीलें तथा नदियाँ नगरों के कूड़ादान बनकर रह गई हैं।

नगरों के गन्दे नालों मे प्रवाहित मलजल की मात्रा उद्योगों के अपशिष्ट जल से कई गुना अधिक होती है। इसी कारण अधिक सघन जनसंख्या वाले क्षेत्रों मे प्रवाहित होने वाली अनेक नदियाँ खुली मलवाहक नहरों मे परिवर्तित हो चुकी हैं। घरेलू मलजल के कारण मात्र सतही जल ही नहीं अपितु